स्कूल और आंगनवाड़ी अब एक ही परिसर में होंगे

दो विभागों के तालमेल से बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने की तैयारी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 19 मई. छोटे बच्चों की पढ़ाई की शुरुआत अक्सर एक अनजान जगह से होती है, जहां उनको नया माहौल मिलता है. इस माहौल के डर और झिझक को खत्म करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय को अब एक ही परिसर में लाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी

एवं पोषण 2.0 के विजन को धरातल पर उतारने के लिए केन्द्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बड़ा और दूरदर्शी कदम उठाया है. अब आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों का को-लोकेट किया जा रहा है. इस व्यावहारिक रणनीति का उद्देश्य बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और देखभाल की एक ऐसी मजबूत नींव रखना है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सके. विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल दो संस्थानों को एक परिसर में लाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह महिला एवं बाल विकास और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर बच्चों के लिए एक सुरक्षित, प्रेरक और उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल तैयार करने का महाअभियान है.

क्या बदलेगा इस व्यवस्था से

यह को-लोकेशन मॉडल मुख्य रूप से उन आंगनवाड़ी केंद्रों पर लागू किया जा रहा है जो प्राथमिक विद्यालयों के समीप स्थित हैं और जहाँ बच्चों के लिए सुरक्षित पहुँच उपलब्ध है. इसमें अस्थायी या सीमित संसाधनों वाले परिसरों में चल रहे आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिक विद्यालयों में स्थानांतरित कर अधिक सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है. ऐसे विद्यालय जहाँ अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हैं, वहां आंगनवाड़ी केंद्रों को को-लोकेट किया जा रहा है जिससे

> इस एकीकृत मॉडल से बच्चों का आंगनवाड़ी केन्द्रों से पहली कक्षा में स्थानांतरण बेहद सुचारू और सहज हो जाएगा. विद्यालय परिसर से पहले से परिचित होने के कारण बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे शुरुआती कक्षाओं में होने वाले ड्रॉप आउट की दर में भारी कमी आएगी. इस नई व्यवस्था से आंगनवाड़ी के बच्चों को स्कूलों की आधुनिक अधोसंरचना, खेल के मैदानों और उन्नत शैक्षणिक संसाधनों तक समान पहुंच मिलेगी. बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होने के साथ-साथ खेल-आधारित पाठ्यक्रमों जैसे आधारशिला और जादुई पिटारा के साझा उपयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार होगा. आंगनवाड़ी एवं विद्यालीन समन्वय से बच्चों के डेटा का मिलान आसान होगा, जिससे सेवाओं के दोहराव से बचा जा सकेगा और प्रत्येक बच्चे तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचना सुनिश्चित हो.

DELHI PUBLIC SCHOOL, NIGAHI
(Under the aegis of The Delhi Public School Society)
(CBSE Affiliation No. 1030126)
P.O. NIGAHI, DIST : SINGRAULI (MP) 486884

Recruitment of Teachers & Staff on contractual basis for the session 2026-27:

- **PGT** - Biology, Commerce (Acc. & B.St.) Physical Education & Computer Science.
- **TGT** - English, Hindi, Maths, Science, Social Science & Computers.
- **PRT** - (All subjects). **PRT** - Pre Primary Classes.
- **Counselor & Wellness Teacher**
- **Librarian** **LDC**
- **Support Staff (Class IV)** - Peon & Ayah

Note : **Apply within 15 days of this advertisement**
For details and 'Application Form' visit website :
www.dpsnigahi.org
PRINCIPAL

बेटियां शक्ति शिविर में ले रहीं आत्मरक्षा प्रशिक्षण

खरगोन, 19 मई. जिला मुख्यालय पर इन दिनों बेटियों को बदलते सामाजिक माहौल और साइबर अपराधों से सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित विशेष 'शक्ति शिविर' चर्चा का विषय बना हुआ है.

एक संस्था द्वारा आयोजित इस शिविर में करीब 350 बेटियां जूडो-कराटे, लाठी, तलवारबाजी, तीरंदाजी और आत्मरक्षा के विभिन्न गुर सीख रही हैं.

7 दिन झुलसाएगी गर्मी

45 डिग्री से 46 डिग्री तक प्रदेश में तापमान

- हीटवेव की चपेट में पूरा मध्यप्रदेश

भोपाल, 19 मई . मध्यप्रदेश इस बार पिछले साल की तुलना में कहीं ज्यादा भीषण गर्मी की मार झेल रहा है. प्रदेश के कई जिलों में तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है.

राजधानी भोपाल सहित अधिकांश शहरों में दोपहर के समय सड़कें सुनसान नजर आने लगी हैं. मौसम विभाग ने ग्वालियर-चंबल, टीकमगढ़, छतरपुर और खजुराहो समेत कई इलाकों में सीवियर हीट वेव को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. मौसम वैज्ञानिक डॉ. ई दिव्या सुरेंद्र के अनुसार फिलहाल प्रदेश में ऐसा कोई मजबूत वेदर सिस्टम सक्रिय नहीं है, जिससे बारिश या थंडरस्टॉर्म की संभावना बन सके. अगले सात दिनों तक तापमान में राहत मिलने के आसार बेहद कम हैं. उन्होंने बताया कि उत्तर-पूर्वी मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में तापमान लगातार 45 से 46 डिग्री के बीच बना हुआ है और आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है.

25 मई से शुरू होने वाले नौतपा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. मौसम विभाग का कहना है कि नौतपा कोई वैज्ञानिक शब्द नहीं है, लेकिन वर्तमान मौसम पैटर्न को देखते हुए गर्मी और ज्यादा तीखी हो सकती है. विशेषज्ञों के मुताबिक मई महीने में इस बार बारिश और आंधी-तूफान की गतिविधियां काफी कम रही हैं, जबकि पिछले साल इसी दौरान कई जिलों में प्री-मानसून बारिश हुई थी.

> भीषण गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 11 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है. बाहर निकलने पर छाता, टोपी या गमछे का उपयोग करने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की हिदायत दी गई है. डॉक्टरों ने ओआरएस, नींबू पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स वाले पेय पदार्थ लेने तथा हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने की सलाह दी है. मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अस्पताल पहुंचना जरूरी है, क्योंकि लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है.

राइस मिल में आग लगाने से 1 की मौत

सतना. जिले के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सतना-अमरपाटन मार्ग पर संचालित एक राइस मिल में आग लगने से एक श्रमिक की मृत्यु हो गई, जबकि दो अन्य श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए. पुलिस सूत्रों के अनुसार सोमवार देर रात को राइस मिल में धान की भूसी से तेल निकालने का कार्य चल रहा था. इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया. बताया गया है कि जब तक सभी श्रमिक मिल से बाहर निकल पाते, तब तक मिल में रखी धान की भूसी तेजी से जलने लगी और अंदर फंसे श्रमिकों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया. काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया गया.

सरकार से पेट्रोल-डीजल पर टैक्स घटाने की मांग

12-15 रुपये प्रति लीटर तक कम किए जा सकते हैं दाम

विशेष संवाददाता

भोपाल, 19 मई . पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई ताजा वृद्धि को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला. दोनों नेताओं ने राज्य सरकार से वैट और उपकर में तत्काल कटौती कर आम जनता को राहत देने की मांग की.

जारी बयान में कमलनाथ ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी की गई है और मंगलवार से

दोनों ईंधनों के दाम में 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का हवाला दे रही है, जबकि मध्यप्रदेश में महंगे ईंधन का मुख्य कारण राज्य सरकार द्वारा लगाए जा रहे भारी कर हैं.

कमलनाथ ने दावा किया कि मध्यप्रदेश में पेट्रोल उत्तरप्रदेश की तुलना में लगभग 13 रुपये प्रति लीटर महंगा है, जबकि डीजल करीब 4 रुपये अधिक कीमत पर बिक रहा है.

उनके अनुसार प्रदेश सरकार पेट्रोल पर 29 प्रतिशत वैट, अतिरिक्त 2.5 रुपये प्रति लीटर वैट और 1 प्रतिशत उपकर वसूल रही है. वहीं डीजल पर 19 प्रतिशत वैट, 1.5 रुपये अतिरिक्त वैट और 1 प्रतिशत उपकर लगाया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि आम नागरिक पेट्रोल पर 30 रुपये से अधिक और डीजल पर 20 रुपये से ज्यादा टैक्स चुका रहे हैं. कमलनाथ ने मांग की कि सरकार तत्काल ईंधन की कीमतों में कम से कम 10 रुपये प्रति लीटर की कमी करे, ताकि जनता को राहत मिल सके और सीमावर्ती राज्यों से ईंधन खरीदने की प्रवृत्ति भी रुके.

> उधर उमंग सिंघार ने कहा कि भोपाल देश के सबसे महंगे शहरों में शामिल हो गया है, जहां पेट्रोल 110 रुपये प्रति लीटर से अधिक कीमत पर बिक रहा है, जबकि दिल्ली में इसकी कीमत करीब 98.67 रुपये प्रति लीटर है. उन्होंने कहा कि महंगे पेट्रोल-डीजल का असर परिवहन, कृषि और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ रहा है, जिससे महंगाई लगातार बढ़ रही है. सिंघार ने वैट और उपकर में तत्काल कटौती की मांग करते हुए कहा कि इससे पेट्रोल-डीजल के दाम 12 से 15 रुपये प्रति लीटर तक कम हो सकते हैं और जनता को बड़ी राहत मिलेगी.

अवैध हथियार नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

विशेष संवाददाता

भोपाल, 19 मई. पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देश पर मध्य प्रदेश पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण, तस्करी और कब्जे के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान तेज करते हुए एक सप्ताह के भीतर विभिन्न जिलों में कार्रवाई कर 41 अवैध हथियार, कारतूस और वाहन जब्त किए हैं.

सबसे बड़ी कार्रवाई बुरहानपुर जिले में सामने आई, जहां खकनार पुलिस ने अंतरराज्यीय हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया. पुलिस ने तीन अलग-अलग कार्रवाइयों में कई आरोपियों को गिरफ्तार कर 17 देसी कट्टे और पांच खाली मैगजीन बरामद कीं. जांच में यह भी सामने आया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं को अवैध हथियार सप्लाई नेटवर्क से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा था.

दतिया जिले में पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर नौ देशी .315 बोर बंदूकें और दो जिंदा कारतूस जब्त किए. वहीं सेवढ़ा क्षेत्र में पुलिस ने तीन आरोपियों और एक नाबालिग को हिरासत में लेकर तीन अवैध हथियार, चार जिंदा राउंड, सात पेटी अवैध शराब तथा एक वाहन बरामद किया.

अपहृत मासूम को झारखंड से किया बरामद

भोपाल. मध्यप्रदेश पुलिस ने त्वरित और समन्वित कार्रवाई करते हुए झारखंड से दो वर्षीय अपहृत बालिका को मात्र 36 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया. इस कार्रवाई ने पुलिस की संवेदनशीलता, तकनीकी दक्षता और तत्परता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है. पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशानुसार प्रदेशभर में गुम एवं अपहृत बच्चों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इसी अभियान के तहत सिंगरौली पुलिस को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली. पुलिस के अनुसार 16 मई को बैढ़न थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी दो वर्षीय पुत्री बैढ़न बस स्टैंड से अचानक लापता हो गई. बच्ची अपने पिता के साथ सो रही थी, लेकिन देर रात आंख खुलने पर वह वहां नहीं मिली.

अशोकनगर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में तेजी

भोपाल, 19 मई. 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल स्थित अशोकनगर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से जारी है.

लगभग 24.10 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं और बेहतर आधारभूत संरचना से सुसज्जित किया जा रहा है. यह कार्य डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है. एनएसजी-5 श्रेणी के इस महत्वपूर्ण स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं. स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया का सौंदर्यीकरण किया गया है और बीना छोर पर प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 का चौड़ीकरण भी किया गया है. यात्रियों को धूप और बारिश से राहत देने के लिए प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 और 2 पर नए कवर ओवर शेड लगाए गए हैं. इसके अलावा प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, स्टेशन भवन के अग्रभाग का नवीनीकरण, शौचालयों का आधुनिकीकरण तथा प्रतीक्षालयों को बेहतर सुविधाओं से लैस किया गया है.

भोपाल से संचालित 5 ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन

भोपाल. उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में दोहरीकरण कार्य के चलते जून महीने में पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल होकर गुजरने वाली पांच ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी परिवर्तन किया गया है. यह बदलाव माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-जंघई सेक्शन में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण किया जा रहा है. रेलवे प्रशासन के अनुसार लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस (15017) 27 से 29 जून 2026 तक प्रयागराज-जंघई-वाराणसी मार्ग के बजाय प्रयागराज रामबाग-बनारस होकर चलेगी. वहीं लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस (11055) 28 और 29 जून को परिवर्तित मार्ग प्रयागराज-प्रतापगढ़-सुल्तानपुर-अयोध्या कैंट होकर संचालित होगी.

पेज एक का शेष

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी का हुआ निधन

1934 को देहरादून में जन्मे भुवन चंद्र खंडूरी ने अपनी शुरुआती शिक्षा के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग पुणे, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स दिल्ली और इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट सिकंदराबाद से उच्च शिक्षा प्राप्त की. उन्हें छात्र जीवन में ही स्वतंत्रता आंदोलन ने प्रभावित किया. उन्होंने 1954 से 1990 तक भारतीय सेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स में 36 साल तक सेवा दी. इस दौरान उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में अहम भूमिका निभाई, रेजीमेंट कमांडर रहे, सेना में चीफ इंजीनियर और आर्मी मुख्यालय में एडिशनल मिलिट्री सेक्रेटरी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया. वह 1991 में पहली बार गढ़वाल लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे. इसके बाद उन्होंने 1998, 1999, 2004 और 2014 में भी लोकसभा चुनाव जीता. संसद में रहते हुए उन्होंने भाजपा संसदीय दल के मुख्य सचेतक, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी, पब्लिक अकाउंट्स कमेटी, गृह मामलों की समिति समेत कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं.

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को नई मजबूती मिली.

2. स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास पर फोकस समझौतों का उद्देश्य अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप और सतत विकास को बढ़ावा देना है.

3. अनुसंधान परिषदों का सहयोग सीएसआईआर और नॉर्वे की रिसर्च काउंसिल के बीच जलवायु, स्वच्छ ऊर्जा, महासागर विज्ञान और स्वास्थ्य क्षेत्रों में साझेदारी.

4. अपतटीय पवन ऊर्जा और कार्बन प्रबंधन- सीएसआईआर ने नॉर्वेजियन संगठन एसआईएनटीईएफ के साथ 2026-2029 तक सहयोग समझौता किया.

5. अकादमिक और हरित परिवर्तन सहयोग- एसीएसआईआर और नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के साथ छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान एवं संयुक्त अनुसंधान पर समझौता.

शिवम वर्मा फेम इंडिया सूची में शामिल

बेहतरीन कार्यशैली के कारण फेम इंडिया सूची में शामिल

इंदौर, 19 मई . फेम इंडिया मैगजीन और एशिया पोस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'सर्वश्रेष्ठ जिलाधिकारी 2026' सर्वेक्षण के प्रारंभिक परिणाम जारी कर दिए गए हैं.

इसमें मप्र से इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा के साथ ही जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, सतना

कलेक्टर सतीश कमार, नरसिंहपुर कलेक्टर रजनी सिंह और भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह है. सर्वे में देशभर के करीब 800 जिलों में कार्यरत जिलाधिकारियों और डिप्टी कमिश्नरों के कामकाज, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा से जुड़े कार्यों का मूल्यांकन किया गया.

जनसरोकार से जुड़े पहलू भी सर्वे का हिस्सा

फेम इंडिया के अनुसार चयन प्रक्रिया में प्रशासनिक दक्षता, सुशासन, संकट प्रबंधन, जनसंपर्क, नवाचार, जवाबदेही, विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन समेत 10 प्रमुख मानकों को आधार बनाया गया. इसके अलावा विशेषज्ञों की राय, ग्राउंड रिपोर्ट, मीडिया विश्लेषण और जनसरोकार से जुड़े पहलुओं को भी सर्वे का हिस्सा बनाया गया.

उठाए सवाल | बदहाल शिक्षा व्यवस्था पर कांग्रेस का हमला, सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की मांग

सरकारी स्कूलों की स्थिति बदहाल : पटवारी

भोपाल, 19 मई. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति, शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं.

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सोशल मीडिया प्रचार और आयोजनों के माध्यम से विकसित मध्यप्रदेश की कृत्रिम तस्वीर पेश कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है. पटवारी ने कहा कि प्रदेश में लाखों बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हैं. कई सरकारी स्कूल शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं, जबकि हजारों पद अब भी रिक्त पड़े हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि अनेक स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है.

उन्होंने हाल ही में सामने आई जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश के 788 सरकारी स्कूलों में अब भी छात्राओं के लिए शौचालय उपलब्ध नहीं हैं. इसे उन्होंने छात्राओं की गरिमा, सुरक्षा और शिक्षा के अधिकार पर सीधा हमला बताया. कांग्रेस नेता का आरोप है कि छात्राओं के लिए शौचालय निर्माण हेतु 2.30 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत होने के बावजूद कई स्थानों पर यह धनराशि पुताई और अन्य कार्यों में खर्च कर दी गई, जिससे छात्राओं को असुरक्षित और अस्वच्छ परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है.

अशोकनगर, राजगढ़ सहित अन्य जिलों की स्थिति का उल्लेख करते हुए पटवारी ने कहा कि इससे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'स्वच्छ भारत' जैसे नारों की वास्तविकता उजागर हो गई है.

> उन्होंने राज्य सरकार से शिक्षा विभाग में रिक्त पदों, आधारभूत सुविधाओं की कमी और विभिन्न योजनाओं के तहत हुए खर्च का ब्यौरा देते हुए श्वेत पत्र जारी करने की मांग की. साथ ही शौचालय निर्माण में कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की भी मांग की.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14